YS | हिंदी

Budget 2026: स्टार्टअप इकोसिस्टम के दिग्गजों को बजट से क्या उम्मीदें?

Budget 2026 से भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम को बड़ी उम्मीदें हैं. फंडिंग, टैक्स में छूट, डीप टेक, AI और निवेश को लेकर सरकार से क्या अपेक्षाएं हैं, इस लेख में जानिए स्टार्टअप्स की प्रमुख मांगें और बजट से जुड़ी संभावनाएं.

राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के CEO डी.एस. नेगी (IAS सेवानिवृत्त) ने कहा कि देश में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और सिर्फ दवाओं पर फोकस पर्याप्त नहीं है. Budget 2026 में कैंसर दवाओं के साथ-साथ अत्याधुनिक मशीनों और हार्डवेयर पर भी निवेश जरूरी है. इससे इलाज तक समान पहुंच और मजबूत ऑन्कोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा. लंबी अवधि में यह कैंसर केयर को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाएगा.

Your Story - Pre Budget

Union Budget 2026 Live Updates: Cancer Drugs

Cancer incidence in India continues to rise, placing sustained pressure on healthcare infrastructure. Addressing medicines without addressing machines risks creating an incomplete solution. Strengthening India’s oncology ecosystem requires a holistic lens, one that recognises hardware as a public health enabler rather than a luxury input.

Union Budget 2026 can play a defining role by extending its commitment from cancer drugs to cancer hardware. Doing so would signal a deeper understanding of oncology care, one that prioritises access, equity, and long-term system resilience. In the journey toward better cancer outcomes, medicines may start the treatment, but machines often make the cure possible.

Mr D S Negi IAS (Retd.) CEO, Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre (RGCIRC)

Times Now News - Pre Budget

दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार

बजट में हेल्थकेयर सेक्टर पर फोकस बढ़ाने की जरूरत

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। भारत में हेल्थकेयर सेक्टर अहम मोड़ पर है और ऐसे में आम बजट 2026-27 से उम्मीदें बहुत बढ़ गई हैं। हेल्थकेयर सेक्टर के विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि सरकार हेल्थकेयर फाइनेंसिंग को मजबूत बनाते हुए, स्वास्थ्य सेवा को आम लोगों की आसान पहुंच में लाते हुए और लक्षित सुधारों के माध्यम से हेल्थकेयर सेक्टर की नई चुनौतियों को दूर करते हुए हाल के वर्षों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाएगी। आर्टेमिस हॉस्पिटल की एमडी डॉ. देवलीना चक्रवर्ती ने कहा कि इस साल हेल्थकेयर बजट और बढ़ाया जा सकता है। विशेष रूप से वंचित एवं ग्रामीण आबादी में ज्यादा लोगों तक ज्यादा पैसा पहुंचाते हुए आयुष्मान भारत-पीएम जन आरोग्य योजना जैसे बड़े कार्यक्रमों को समर्थन जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने गैर संक्रामक बीमारियों एनसीडी के लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को प्राथमिकता देने और प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप पर टैक्स छूट तथा मेडिकल सेवाओं, उपकरणों एवं सप्लाई के लिए ज्यादा तार्किक जीएसटी एवं टैक्स की व्यवस्था का भी सुझाव दिया।

राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर आरजीसीआईआरसी के सीईओ श्री डी एस नेगी, आईएएस लरिटायर्ड ने कहा कि भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। मशीनों के स्तर पर सुधार के बिना सिर्फ दवाओं के क्षेत्र में प्रगति से पूरा समाधान नहीं मिल सकता है।